वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 176 | शुक्रवार 21 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गहलोत सरकार की चौथी वर्षगांठ पर विरोध की बनेगी स्ट्रेटेजी

जयपुर. कासं

राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 21 अक्टूबर को दिल्ली में राजस्थान इखढ कोर ग्रुप की बैठक बुलाई है। शाम 6 बजे से होने वाली इस बैठक में प्रदेश की गहलोत सरकार की चौथी वर्षगांठ पर होने वाली जन आक्रोश रैली, काला दिवस मनाने की तैयारियों पर चर्चा होगी। 1 नवम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम में प्रस्तावित दौरे को लेकर भी नड्डा दिशा-निर्देश देंगे। साथ ही आगामी दिनों में राजस्थान में बीजेपी के आंदोलन, धरने-प्रदर्शन, केंद्रीय नेताओं और मंत्रियों के दौरे का रोड मैप तैयार करने पर भी चर्चा होगी। जेपी नड्डा का 20 और 21 अक्टूबर को कोटा में बूथ सम्मेलन का कार्यक्रम स्थगित होने के बाद दिल्ली में कोर कमेटी की बैठक बुलाने के मायने हैं। नड्डा पार्टी नेताओं को एकजुटता के साथ विधानसभा चुनाव-2023 और लोकसभा चुनाव-2024 में जुटने की नसीहत भी देंगे। माना जा रहा है जेपी नड्डा राजस्थान में बीजेपी पार्टी में सीनियर नेताओं के बीच चल रही अंदरूनी गुटबाजी, ह्यएकला चलोह्न नीति और पार्टी से अलग हटकर व्यक्तिगत पब्लिक मीटिंग करने पर भी नेताओं की क्लास ले सकते हैं। राजस्थान बीजेपी नेताओं के बीच अंदरूनी कलह और खींचतान थमने का नाम नहीं ले रही है। सभी नेता एकजुट होकर ऐसा कोई बड़ा प्रदर्शन अब तक नहीं कर सके हैं, जिससे पूरी पार्टी सत्ताधारी कांग्रेस के खिलाफ एक जाजम पर नजर आए। विधानसभा चुनाव में एक साल का ही वक्त बचा है।

पत्नी संग लंच करने इंदिरा रसोई में पहुंचे सीएम गहलोत

दाल, मंगोड़ी की सब्जी और चावल-चपाती खाई, लोगों से फीडबैक लिया

जयपुर. कासं

जयपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी पत्नी सुनीता गहलोत संग इंदिरा रसोई में लंच करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहां न केवल आधे घंटे बैठकर भरपेट खाना खाया, बल्कि वहां की व्यवस्थाएं भी देख खुश हुए। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद दूसरे लोग जो खाना खा रहे थे उनसे रसोई और वहां के भोजन के बारे में फीडबैक भी लिया। गहलोत संग इस दौरान मुख्य सचेतक डॉ. महेश जोशी, उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी और मेयर मुनेश गुर्जर ने भी खाना खाया। जयपुर के जलमहल स्थित इंदिरा रसोई में पहुंचे गहलोत ने वहां बैठकर भरपेट खाना खाया। इस दौरान उनकी थाली चपाती के साथ दाल, मंगोड़ी की सब्जी, सलाद और चावल परोसे गए। खाना खाने से पहले गहलोत खुद रसोई के अंदर गए और वहां बन रहे खाने की क्वालिटी और वहां की साफ-सफाई का जायजा लिया। रसोई में खाना खाने के बाद गहलोत ने वहां मौजूद महिलाओं जो खाना खा रही थी उनसे खाने की क्वालिटी और रसोई के बारे में भी फीडबैक लिया। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने बताया कि हमारा सपना था कि प्रदेश में कोई भी गरीब तबका भूखा न रहे, इसको ध्यान में रखते हुए इन रसोई की शुरूआत की गई। आज हम 8 रुपए में लोगों को बैठाकर भरपेट भोजन करवा रहे है, जबकि 17 रुपए का अनुदान सरकार दे रही है। पिछली सरकार में ऐसा नहीं था। पिछली सरकार में 12 रुपए का अनुदान सरकार देती थी।

हर मंत्री या जनप्रतिनिधि महीने में एक बार जरूर खाना खाएं

गहलोत ने बताया कि मैंने अपने सभी मंत्री, विधायकों को कहा कि वह अपने-अपने क्षेत्र में संचालित इंदिरा रसोई में जाकर भोजन जरूर करें। हर महीने कम से कम एक बार तो जरूर जाए। इसके पीछे दो कारण है, पहला जो लोग यहां भोजन करने आते है उन्हें सम्मान मिलेगा। उन्हें लगेगा कि जनप्रतिनिधि भी यहां भोजन कर रहे है हमारे साथ।

दिवाली से पहले पिंकसिटी की हवा हुई खराब

जयपुर. कासं

दिवाली से पहले ही शहर की आबोहवा खराब हो रही है। तापमान गिरने के साथ ही हवा में पॉल्यूशन बढ़ रहा है। दो तीन दिन से एक्यूआई लेवल पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर 250 पहुंच गया। मानकों के अनुसार एक्यूआई का यह लेवल मॉडरेड कैटेगरी में है। इस कैटेगरी में अस्थमा और दिल की बीमारियों के मरीजों को सांस लेने में परेशानी शुरू हो जाती है। आदर्श नगर में पीएम 2.5 का स्तर अधिकतम 90, पीएम 10 का लेवल 110, शास्त्रीनगर में पीएम 2.5 का स्तर 261, पीएम 10 का लेवल 107 ऐर पुलिस कमिश्नरेट पीएम 2.5 का स्तर 90 और पीएम 10 का स्तर 142 दर्ज हुआ। कोराना के चलते दो साल बाद दिवाली पटाखों और आतिशबाजी के साथ मनाई जाएगी। कोविड के कारण 2020 में लॉकडाउन था और 2021 में पटाखों पर बैन था। इसके बाद यह पहली दिवाली है जब पटाखा बिक्री-खरीद पर कोई रोक नहीं है। दीवाली पर एक्यूआई लेवल सबसे खतरनाक स्तर 300-400 के बीच पहुंच सकता है। इसे रेड कैटेगरी में माना जाता है। इस कैटेगरी तक पॉल्यूशन का लेवल पर पहुंचने पर एक स्वस्थ इंसान को श्वास लेने में दिक्कत हो सकती है।

जैन मिलन सेंट्रल की नवीन कार्यकारिणी का शपथ विधि समारोह सम्पन्न

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

नवगठित संस्था जैन मिलन सेंट्रल की नवीन कार्यकारिणी का शपथ विधि समारोह बुधवार को वर्धमान धर्मशाला मे आयोजित किया गया इसमें नवीन पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। जैन मिलन सेंट्रल अध्यक्ष सचिन जैन बारी ने बताया कि संस्था के सत्र 2022-23 के लिए कार्यकारी अध्यक्ष रोहित लालू, उपाध्यक्ष मनोज कांसल एवं राकेश बाबा,मंत्री अजित जैन एल.आई. सी., कोषाध्यक्ष विपिन बाँझल को बनाया गया है उन्हें क्षेत्रीय अध्यक्ष नरेश जैन द्धारा शपथ दिलाई गई। समारोह को, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची बीड़ी,राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री महेंद्र कडेसरा एवं आनंद गांधी,राष्ट्रीय संयोजक प्रमोद छाया ने भी सम्बोधित करते हुये नवीन कार्यकारिणी को बधाई दी।अपने सार गर्वित उदबोधन में सुभाष जैन ने कहा कि सभी सदस्यों के सहयोग एवं सक्रियता से ही सँस्था प्रगति कर पीड़ित मानवता की सेवा के कार्यों में अग्रणी बन सकेगी। मुख्य अतिथि नरेश जैन ने कहा कि इस शाखा के गठन पर आज मुझे अत्यंत प्रसन्नता है इसके सदस्य सदैव मेरे सहयोगी रहे है वरिष्ठ हैं हमेशा सेवा कार्यों में मेरा पूर्ण सहयोग रहेगा। संचालन महेंद्र कडेसरा ने किया।

स्वच्छता अभियान

दीपावली पूर्व बाजारों की सफाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

ए एस जी हॉस्पिटल, सी स्कीम, अंतराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन यूथ विंग, जयपुर और पहचान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता रैली प्रात 6 बजें से 8 बजे तक आयोजित की गई। फेडरेशन यूथ विंग अध्यक्ष तरुण जैन ने बताया की दीपावली से पूर्व जिस प्रकार हम सभी घरों की सफाई करते हैं उसी प्रकार इस बार बाजारों को सफाई भी गई, जो जे टी एन अनुकंपा प्लाजा से राजमंदिर, ए एस जी आई हॉस्पिटल होते हुए अहिंसा सर्किल तक की सफाई की गई। ए एस जी आई हॉस्पिटल द्वारा सभी को टी शर्ट और सफाई करने हेतु समान उपलब्ध कराया गया।

मोक्ष मार्ग पर मिलती मुक्ति एवं संसार मार्ग पर मिलते बंधनः समकितमुनिजी

हमें पहचाननी होगी अपनी खूबियां एवं खामियां, उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना का 22वां दिन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। संसार का मार्ग और अधर्म का मार्ग सबको पता है इसलिए कोई प्रशिक्षण नहीं लेना पड़ता लेकिन धर्म मार्ग, मोक्षमार्ग पर आगे बढ़ने के लिए शिक्षा की जरूरत होती है। गति करना हो तो मोक्ष मार्ग पर आगे बढ़ो। मोक्ष के चार मार्ग ज्ञान, दर्शन, चरित्र एवं तप है। मोह,मान, माया व लोभ की गति तो संसार के मार्ग पर है। इंसान की गति तो होगी बिना गति के वह नहीं रह सकता है। ये विचार श्रमणसंघीय सलाहकार सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में गुरूवार को परमात्मा भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना **''आपकी बात आपके साथ''** के 22 वें दिन व्यक्त किए। इसके तहत आगम के 36 अध्यायों में से 27 वें अध्ययन खलुंकीय एवं 28 वें अध्ययन मोक्षमार्ग गति का वाचन करने

के साथ इनके बारे में समझाया। उन्होंने कहा कि मोक्ष मार्ग पर चलने पर मुक्ति एवं संसार मार्ग पर चलने पर बंधन मिलते है। हमे अपनी खूबियों एवं खामियों को पहचानना होगा। जो बात जिस समय पता चलना चाहिए नहीं चलती है तो अज्ञान है। ज्ञान जागृत होने पर जिंदगी में व्यक्ति कभी ठोकरे नहीं खाएगा। मुनिश्री ने कहा कि हमारा अपनी कमियों की तरफ ध्यान नहीं जाता या उन्हें छुपाने का प्रयास करते है। हमे दूसरों की खूबियां कम खामियां ही अधिक नजर आती है। धर्म को जो समझ ले वह संसार सागर पार कर सकता है। दुःखों को कैसे खत्म करना ये जानकारी होना ज्ञान है। ज्ञान के कारण चेहरे पर मुस्कान आती है और अज्ञान के कारण जिंदगी में रोना पड़ता है। पाप अज्ञान के कारण होते है ज्ञान होना जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। धर्मसभा के शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी म.सा. ने प्रेरक गीत प्रस्तुत किया। प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला।

धीरज व धैर्य की दौलत नहीं होने पर होते परेशान

पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि जब अपने ही अपनों को सताने लगे तो समता धारण करना बहुत मुश्किल हो जाता है। जिनके पास धीरज व धैर्य की दोलत नहीं होती वह खुद भी परेशान होते है और दूसरों को भी परेशान करते है। घमंड से चूर होकर अहंकार की भाषा बोलने लगते है। ऐसे लोग दूसरों पर दोषारोपण करने में माहिर होते है। उन्होंने कहा कि जीते समय शांति नहीं मिलेगी तो मरते समय समाधि कहां से आएगी। दुनिया से अधिक महत्वपूर्ण मन की शांति है लेकिन हम दुनिया के लिए जीते हैं खुद के लिए नहीं जी पाते हैं।

अणुव्रत समिति जसोल द्वारा ईको-फ्रेंडली दीपावली बैनर का विमोचन किया गया

जसोल. शाबाश इंडिया

स्नेह के दीयो से मनाए, खुशियाँ घर, प्रेम से जगमगाते, प्रदूषण मुक्त हो - धनतेरस, गोवर्धन, भैयादूज और शुभ हो दीपावली आचार्य श्री महाश्रमण के सूशिष्य शासन श्री सत्यप्रभा के सानिध्य मे स्थानीय पुराना ओसवाल भवन अणुव्रत समिति जसोल द्वारा ईको- फ्रेंडली दीपावली बैनर का विमोचन किया गया । सर्व प्रथम नवकार माध्यमिक विद्यालय जसोल की लड़कियो ने अणुव्रत गीत द्वारा मंगलाचरण किया। इस अवसर पर साध्वी श्री सत्यप्रभाजी ने कहा कि स्नेह के दियो से दिपावली मनाने का यह सुन्दर अवसर है। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी (अणुविभा) के द्वारा पुरे भारत वर्ष मे इस तरह का यह आयोजन करना अपने आप मे सराहनीय है । फटाखे फोड़ना ना सिर्फ पर्यावरण के लिए हानिकारक है बल्कि की मनुष्य के लिए भी काफी खतरनाक है क्योकि इसमे कई तरह के विषैले और घातक रासायनिक तत्व मिले हुए होते है जैसे कि सल्फर डाई आक्साइड कार्बन मोनो अकसाइड आदि यह जहरीली गैसे हमारे श्वसन प्रणाली को कई तरह के नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे शरीर मे आक्सीजन तत्वो की भी कमी कर देता है ।इसके अलावा यह ना सिर्फ वायु प्रदूषण फैलाते हैं बल्कि ध्वनि प्रदूषण को भी बढ़ाते हैं। ज्यादातर बच्चे और बुजुर्ग फटाखो के कारण होने वाले तेज आवाजो से सबसे ज्यादातर प्रभावित होते है इन फटाखो के कारण होने वाला शोर-शराबा इतना खतरनाक होता है कि यह स्थायी बहरेपन का भी कारण बन सकता है । इको-फ्रेंडली दीपावली मनाना चाहिए नवकार स्कूल के बालक-बालिकाए ने पटाखा नहीं छोड़ने का संकल्प दिलाया गया । श्री यशस्वी प्रभा ने सबको एक साथ मिलकर अपने पृथ्वी तुल्य इस मॉ को बचातुल्य इस मॉ को बचाने और इसके संसाधनो को संरक्षित करना का प्रयास करना होगा ताकि हम हानिकारक गैसो और प्रदुषण मुक्त वातावरण मे सांस ले सके हमारे इन ऑखो को भाने वाले फटाखो मे कई तरह के भारी लौह कण और हानिकारक गैसे मौजूद होती हैं जिसमें से सबसे खतरनाक मानी जाने वाली कार्बन डाई आक्साइड होती है जो हमारे पर्यावरण को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है और ग्लोबल वार्मिंग के लिए भी मुख्य रूप से जिम्मेदार है।

जैन बैंकर्स फोरम द्वारा सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर जो बैंकिंग संबंधी समस्याओं के समाधान एवं सामाजिक व धार्मिक कार्यों में पिछले चार वर्ष से संलिप्त है, ने आज खो- नागोरियां, झालाना के पहाड़ी क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न किया। जैन बैंकर्स फोरम की और से भागचंद जैन मित्रपुरा, सुकेश जैन, मुकेश पांड्या, कमल चंद जैन सेवा वाले, अजीत कुमार जैन एवं आरबीआई के वयोवृद्ध एस एम अग्रवाल (75 वर्ष) ने स्वयं अपने हाथो से पौधा रोपण किया । जामुन, नीम, बीलपत्र, करंज, पीपल, देशी बंबूल आदि कई प्रजातियों के पौधे लगाए गए । ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी से श्रीमती प्रतिभा शर्मा ने इस अवसर पर विभिन्न प्रजाति के बड़े बड़े पौधे, जो उन्होंने अपने घर पर ही विकसित किये थे, भेंट किए । यह कार्य हमारे स्वयं के लिए एवं आगामी पीढ़ी के लिए पर्यावरण के रक्षार्थ एवं स्वच्छ वातावरण निर्माण में सहयोग का माध्यम है। रक्षा एनजीओ से अध्यक्ष-मनन ठोलिया मैनेजिंग ट्रस्टी-रोहित गंगवाल पार्थ जैन - वॉलंटियर अदिति अग्रवाल-वॉलंटियर ने सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहयोग दिया। इसी क्रम में नवंबर के प्रथम सप्ताह में ग्राम भारती की महासचिव श्रीमती कुसुम जैन के माध्यम से विभिन्न प्रजातियों के 200 से अधिक पौधारोपण कार्यक्रम अचरोल के समीप आयोजित होगा ।

भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव पर पावापुरी में उमड़ती है जैन अनुयायियों की भीड़

निर्वाण लाडू चढ़ाकर मनाया जाता है दीपोत्सव

पावापुरी (नालंदा). शाबाश इंडिया

जैन धर्मावलंबियों के पवित्र तीर्थ स्थल बिहार के नालंदा स्थित पावापुरी जहां से जैन धर्म के अंतिम 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी को 527 ईसा पूर्व कार्तिक अमावस्या के उषा काल में निर्वाण (मोक्ष) की प्राप्ति हुई थी और इसी पावन धरा से संसार को अंतिम उपदेश दिये थे। इसी उपलक्ष्य में पूरे विश्व भर के जैन अनुयायी दीपावली के रूप में भगवान महावीर के निर्वाण दिवस को मनाते हैं।

भ्रमण के क्रम में भव्य जीवों को उपदेश देते हुये पावापुरी पहुंचे थे भगवान महावीर

जैन ग्रंथ अनुसार महावीर स्वामी भव्य जीवों को उपदेश देते हुए पावानगरी में पधारे और यहां एक मनोहर उद्यान में चतुर्थ काल

में 3 वर्ष साढ़े 8 माह बाकी रह जाने पर कार्तिक अमावस्या के प्रभातकालीन के समय , योग का निरोध करके , कर्मों का नाश करके मुक्ति को प्राप्त हुये। चारों प्रकार के देवताओं ने आकर उनकी पूजा की और दीपक जलाये। उस समय उन दीपकों के प्रकाश से पावानगरी का आकाश प्रदीप्ति हो रहा था। उसी समय से जैन परंपरा में जिनेश्वर की पूजा करने के लिये प्रतिवर्ष उनके निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में दीपावली पर्व को मनाया जाता है। दूसरी ओर, जिस समय भगवान महावीर का निर्वाण हुआ उसी दिन संध्या बेला में उनके प्रधान शिष्य प्रथम गणधर गौतम स्वामी को पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हुयी। जैन धर्म में मुक्ति और ज्ञान को सबसे बड़ी लक्ष्मी माना जाता है और प्रायः मुक्तिलक्ष्मी और ज्ञानलक्ष्मी के नाम से ही शास्त्रों में उनका उल्लेख किया गया है। इस तरह दीपावली के प्रकाश में प्रतिवर्ष भगवान महावीर के निर्वाण (मोक्ष) लक्ष्मी का पूजन किया जाता है।

प्रवीण जैन पटना
मीडिया प्रतिनिधि (जैन समाज) 7654062882

वेद ज्ञान

गृहस्थी का महत्व है खास

मनुष्य की उम्र औसतन सौ साल मानी गई है। इस हिसाब से जीवन को चार भागों में बांटा गया है। उम्र के पहले 25 वर्ष को शरीर, मन और बुद्धि के विकास के लिए निर्धारित किया गया है। इस काल में मनुष्य धर्म और अर्थ की शिक्षा लेता है। दूसरा गृहस्थ आश्रम माना गया है। गृहस्थ जीवन में व्यक्ति सभी तरह के भोगों को भोगकर परिपक्व हो जाता है। गृहस्थ जीवन में व्यक्ति अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करता है। गृहस्थ एक ऐसा जीवन है, जिसे मनुष्य यदि प्रकृति के नियमों के अनुसार जिए तो वह पूरी दुनिया बदल सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि संपूर्ण मानव समाज का मूल आधार गृहस्थ जीवन ही है। अगर किसी भी तरह से गृहस्थ जीवन में गलतियां हो गईं तो मनुष्य का बाकी जीवन नर्क बन जाता है। गृहस्थ आश्रम में मनुष्य का वैवाहिक जीवन अति महत्वपूर्ण है। वैवाहिक जीवन में पति-पत्नी के बीच समर्पण भाव का होना बहुत जरूरी है। यानी केवल अपनी सुख-सुविधाओं का नहीं, बल्कि जीवनसाथी के सुख-दुख को महत्व देना चाहिए। जब पति-पत्नी के बीच समर्पण भाव में कमी आती है तो उनके बीच प्रेम खत्म हो जाता है। इस स्थिति में पति खुद को तो पत्नी अपने आपको श्रेष्ठ समझने लगती है। इसका नतीजा यह होता है कि दोनों के बीच दरार उत्पन्न हो जाती है। जरा-जरा सी बातों में उलझना और अशांति उत्पन्न करने से इसका जीवन में गलत प्रभाव पड़ता है। छोटी गलतियां बड़ी समस्या बन जाती हैं और कई बार बात तलाक तक पहुंच जाती है, जबकि दोनों के बीच होना यह चाहिए कि यदि पति को कोई समस्या है तो पत्नी उसका साथ दे। यदि पत्नी को कोई समस्या है तो पति उसका साथ दे। दोनों सुख-दुख में एक-दूसरे का साथ निभाएं। जिन रिश्तों में ऐसा तालमेल होता है उनके बीच कभी तनाव नहीं होता। रामायण के माध्यम से राम और सीता का एक-दूसरे के प्रति समर्पण भाव दर्शाया गया है। समर्पण की इसी भावना की वजह से राम और सीता का वैवाहिक जीवन आदर्श माना गया है। वर्तमान में ज्यादातर वैवाहिक रिश्तों में इसके ठीक विपरीत हो रहा है। पति और पत्नी एक-दूसरे से समर्पण भाव की उम्मीद तो करते हैं, लेकिन स्वयं समर्पण के लिए तैयार नहीं हैं।

संपादकीय

दुर्घटना की वजह खराब मौसम और घना कोहरा

उत्तराखंड के केदारनाथ में श्रद्धालुओं को ले जा रहे एक हेलिकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से सात लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना की वजह खराब मौसम और घना कोहरा बताई जा रही है। इस दुर्घटना से एक बार फिर पहाड़ी इलाकों में चलाई जा रही हेलिकाप्टर सेवाओं की सुरक्षा व्यवस्था रेखांकित हुई है। कई धार्मिक स्थलों पर दुर्गम रास्तों और ऊंची चढ़ाई की वजह से हेलिकाप्टर सेवाएं चलाई जाती हैं, ताकि बुजुर्ग और शारीरिक रूप से अक्षम लोग सुगमता से यात्रा कर सकें। ये सेवाएं ज्यादातर निजी कंपनियां चलाती हैं। जाहिर है, इसमें उनका व्यावसायिक हित जुड़ा होता है। हालांकि कोई भी कंपनी अपनी संपत्ति, साख और अपने यात्रियों की सुरक्षा की कीमत पर कमाई करने का दुस्साहस नहीं करती, पर ऐसे मामलों में उनकी बुनियादी तकनीकी पहलुओं की अनदेखी जरूर रेखांकित होती है। यह ठीक है कि पहाड़ी इलाकों में कई बार मौसम अचानक खराब हो जाता है और हवाई उड़ानों के लिए मुश्किलें

पैदा हो जाती हैं, मगर हवाई सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों के पास मौसम के पूवार्नुमान का तंत्र भी होता है। जब मौसम के पूवार्नुमानों के आकलन में लापरवाही या गड़बड़ी होती है, तभी इस तरह के हादसे होते हैं। केदारनाथ में जिस जगह ताजा हादसा हुआ, वहां पहले भी हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। पिछले नौ सालों में उस इलाके में पांच हेलिकाप्टर दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। उनमें चार मौसम की खराबी की वजह से हुईं। फिर जिस हेलिकाप्टर ने यात्रियों को लेकर उड़ान भरी, उसने इस जोखिम को गंभीरता से क्यों नहीं लिया, हैरानी की बात है। बताया जा रहा है कि घने कोहरे की वजह से रास्ता साफ नहीं दिखा और उड़ान भरने के पंद्रह मिनट बाद हेलिकाप्टर जमीन से टकरा कर ध्वस्त हो गया। ऐसा नहीं माना जा सकता कि घने कोहरे का अनुमान उस पायलट को नहीं रहा होगा या उसे मौसम संबंधी जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई गई होंगी। उड़ान भरने से पहले हर पायलट को सबसे पहले मौसम संबंधी सूचनाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, ताकि वह उड़ान भरने से पहले और बाद में अपनी रणनीति तैयार कर सके। अगर वातावरण में दृश्यता कम है, तो आमतौर पर चालक उड़ान नहीं भरते। पहाड़ी इलाकों में वैसे भी दृश्यता कम होना जोखिम भरा होता है, क्योंकि वहां पहाड़ों की ऊंचे-नीचे होने का अंदाजा न होने से दुर्घटना की संभावना अधिक होती है। हालांकि हेलिकाप्टर और विमानों में कंप्यूटरीकृत प्रणाली से पता चलता रहता है कि वह कितनी ऊंचाई पर उड़ रहा है, मगर पहाड़ों पर वह प्रणाली आगे के रास्ते का अनुमान नहीं दे सकती। इसलिए पहाड़ी स्थानों पर चलाई जा रही ऐसी निजी हेलिकाप्टर सेवाओं को अधिक भरोसेमंद बनाने की जरूरत रेखांकित की जाती रही है। ऐसी जगहों पर अधिक दक्ष चालकों की जरूरत होती है। कई बार कुछ चालक अधिक आत्मविश्वास की वजह से भी मौसम की परवाह नहीं करते और उड़ान भर लेते हैं। कई बार कंपनियां लगातार सेवाएं देने और अधिक कमाई करने के दबाव में हेलीकाप्टरों के रखरखाव पर उचित ध्यान नहीं दे पातीं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

भूख का विकास

पिछले कई सालों से लगातार हमारे देश में आंकड़ों के जरिए विकास की चमकती तस्वीर पेश की जाती रही है। किसी भी देश के विकास के पैमाने अगर अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में दर्शाए जाते हैं और जमीनी हकीकत की अनदेखी की जाती है, तो उसका नतीजा विरोधाभासी निष्कर्षों की भूमिका ही बनाएगा। पिछले कई सालों से लगातार हमारे देश में आंकड़ों के जरिए विकास की चमकती तस्वीर पेश की जाती रही है, मगर यह समझना मुश्किल है कि फिर आम लोगों के जीवन-स्तर में कोई सुधार आने के बजाय उसमें लगातार गिरावट क्यों आई! जीवन के लिए खाना-पीना न्यूनतम कसौटी है। पर अगर लोग इस मामले में कई स्तर पर मुश्किलों का सामना कर रहे हों तो यह एक गंभीर सवाल है। गौरतलब है कि भूख और कुपोषण पर नजर रखने वाले वैश्विक भुखमरी सूचकांक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस समस्या पर काबू पाने के मामले में भारत की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। रिपोर्ट में भारत को एक सौ इक्कीस देशों की सूची में एक सौ सातवें पायदान पर रखा गया है, जो पिछले साल के मुकाबले छह अंक और नीचे है। 2021 में भारत एक सौ सोलह देशों में एक सौ एकवें स्थान पर था। इस आकलन के निष्कर्षों को आधार माना जाए, तो भूख की समस्या से निपटने के मामले में भारत अपने कई पड़ोसी देशों से भी पिछड़ गया है। श्रीलंका, नेपाल और पाकिस्तान जैसे अपेक्षया कमजोर माने जाने वाले देश भी अगर भुखमरी से निपटने के मामले में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं तो यह इस मसले पर बनने वाली नीतियों और उनके अमल के बारे में फिर से विचार करने की मांग करता है। हालांकि यह भी सच है कि इन छोटे देशों का भूभाग और उनकी आबादी चूंकि भारत से बहुत कम है, इसलिए किसी योजना के लागू होने को लेकर तुलना करते हुए सावधानी बरतने की जरूरत है, फिर भी यह तथ्य तो है कि इस गंभीर समस्या को दूर करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। फिर एक पहलू यह भी है कि पिछले करीब तीन सालों से महामारी और उससे निपटने के क्रम में लगाई गई पूर्णबंदी का सामना करते हुए दुनिया के तमाम देशों की तरह भारत को भी जिस आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा है, उसका असर नीचे तक होगा। इसके बावजूद सरकार से यह उम्मीद स्वाभाविक है कि वह उन समस्याओं को दूर करने की दिशा में प्राथमिकता के साथ काम करे, जिससे आम लोगों का जीवन सीधे प्रभावित होता है। अगर कोई व्यक्ति भूख जैसी समस्या से दो-चार रहेगा तो देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर करने में अपना ठोस योगदान देना तो दूर, वह अपनी सेहत और जिंदगी तक को नहीं संभाल पाएगा। यों भारत की ओर से भुखमरी के सूचकांक की रिपोर्ट तैयार करने के मानकों को लेकर सवाल उठाया गया है और इसे भारत की छवि को धूमिल करने के लिए किया गया कुटिल प्रयास बताया है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इसे गलतियों का पुलिंदा करार दिया है। सही है कि महज तीन हजार लोगों के उदाहरण और संकेतकों की छोटी सीमा में इतने बड़े देश और उसकी बड़ी आबादी के बारे में निष्कर्ष पूरी तरह सटीक नहीं भी हो सकते हैं। लेकिन पिछले करीब तीन सालों से महामारी और इसकी मार से तबाह अर्थव्यवस्था के बीच रोजगार और आय की तस्वीर जिस कदर बिगड़ी है, उसमें हकीकत को संतोषजनक नहीं कहा जा सकता।

मुनि श्री सुप्रभ सागर जी ने कहा...

अपने घर को स्वर्ग बनाने या नरक बनाने की जिम्मेदारी एक माँ की हुआ करती हैं

विदिशा. शाबाश इंडिया

एक स्त्री एक मां का स्थान श्रेष्ठ हुआ करता है।अपने घर को स्वर्ग बनाने या नरक बनाने की जिम्मेदारी एक माँ की हुआ करती है। सशक्तिकरण का अर्थ यह नहीं कि स्त्री और पुरुष की आपस में प्रतिस्पर्धा हो सशक्तिकरण का अर्थ है कि पहले प्रत्येक मां को संस्कारित होकर अपने परिवार और अपनी समाज को प्रबधन करना होगा। कौशल्या और त्रिशला बने। इसके बिना आप राम और महावीर को जन्म नहीं दे सकती। यह उदगार मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज ने श्री वासूपूज्य जिनालय इन्द्रप्रस्थ कालोनी में ''महिला सशक्तिकरण'' आत्मनिर्भरता, 'जॉब करें या न करें' बालप्रबधन एवं परिवार प्रबधन पर चर्चा करते हुये व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा कि एक मां को सबसे पहले अपने घर परिवार के मेनेजमेंट को समझना होगा। तभी वह राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर समय दे सकती है। मुनि श्री ने कहा क्रिटीसाईज, कम्पलेंट और कम्पेरीजन करना छोड़ दोगे तो आप जीवन शिल्पी बन जाओगी एक बेटी एक बहु को सबसे पहले अपने घरों को संभालने की आवश्यकता है। मुनि श्री ने उदाहरण देते हुये कहा कि एक अबला, एक स्त्री,एक महिला घर की देहरी पर रखा हुआ दीपक के समान है। वह दीपक घर के अंदर भी प्रकाश करता है, और घर के बाहर भी प्रकाश करता है। उसी प्रकार एक मां एक महिला एक बेटी ही अपने घर को स्वर्ग बना देती है। मुनि श्री ने कहा कि महिलासशक्तिकरण के सही मायने कोई नहीं जानता? उसका सही अर्थ हैं महिला और पुरुष दोनों को एक दूसरे को समझना। मुनि श्री ने कहा कि शारीरिक रूप से अपने आपको सशक्त करने की जरूरत नहीं। बल्कि अपने आप को मानसिक रुप से बदलने की आवश्यकता है। मुनि श्री ने कहा आज सभी लोग मात्र मनी की ओर भाग रहे है, पारिवारिक मेंनेजमेंट को भूल चुके है। इससे अंदर की मिठास समाप्त हो चुकी है। एक स्त्री को बहुआयामी बनना चाहिये था वहीं आकृमिक हो गयी है। भारतीय संस्कृति में माँ को श्रेष्ठ दर्जा दिया गया है। एक गुरु से पहले माँ को दिया गया है। पहले एक माँ आठ से दस संतान को संभालती थी आज हम दो हमारे दो का भी मेनेजमेंट नही हो पा रहा। माँ बनना सहज है, लेकिन आज लक्ष्मीबाई तो छोड़ो आज द्रोपदी भी नहीं बची। उस द्रोपदी ने कहा था कि में एक माँ हूं मैंने अपनी संतान को खोया है। मां का दुःख क्या होता है में जानती हुं। में दूसरों की संतान का दुःख नहीं देख सकती। एक माँ वह थी, एक मां आजकल की है। जो परिवार नियोजन के चक्कर में अपने बेटे को जन्म लेने से पहले ही टुकड़े कर देती है। कार्य की सिद्धी तभी होती है, जब आप उस कार्य को मन वचन और काय से भावों की विशुद्धि के साथ करें। यदि आपका मन पवित्र नहीं है,तो आप कितनी ही बार बार सौधर्म इन्द्र बनकर दिन रात भगवान की पूजा और विधान कर लेना, चारित्र गृहण कर लेना, खूब दान करना, शुभ मुहूर्त भी निकाल लेना, लेकिन यदि आपने हृदय में आत्म चिंतन नहीं किया तो आपकी पूजा विधान,और आपका संपूर्ण ज्ञान, आपका चारित्र, आपकी तपस्या बेकार हो जाएगी। हम पुण्य की क्रिया तो करते है लेकिन उन क्रिआओं को करते समय जिन भावों की आवश्यकता है उन भावों तक नहीं पहुंच पाते। इसलिये जो फल हमें मिलना चाहिये वह फल हमें नहीं मिलता क्या मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के लिये पिता दशरथजी ने तथा राजपुरोहित वशिष्ठ महाराज ने शुभ मुहूर्त नहीं निकाला था? शुभ मुहूर्त भी निकाला राजपरिवार और नगरवासी भी चाहते थे, द्रव्य क्षेत्र काल की गणना भी की गयी थी, लेकिन कही न कही परिणामों में विशुद्धि नहीं थी। और उन परिणामों की विशुद्धि के कारण ही एक मात्र कैकई मां की स्वीकृति नही होंने से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को गद्दी न मिल सकी। जहा पर श्री राम का राजतिलक होंना था वही उनको राज्य छोड़कर जंगल की ओर जाना पड़ा। दूसरी ओर रावण की पूजा और भक्ती में कही कमी नहीं थी वह प्रकांड विद्वान था लेकिन कही न कही चारित्र और भावों की कमी थी उस कारण उसे भगवान की भक्ती का फल नहीं मिला। भले ही एक पूजा कम करना लेकिन भावों से करना। भावों की विशुद्धि नहीं है तो आपकी दिन भर की पूजा से पुण्य का फल और लाभ मिलने वाला नहीं है। उपरोक्त जानकारी देते हुये श्री शीतल विहार न्यास शीतलधाम के प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया कि इस अवसर पर नगर की सभी महिलामंडलों ने मुनिसंघ को श्रीफल अर्पित किये। तथा ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष विजय कुमार जैन शिक्षक महामंत्री संजय मोदी, कोषाध्यक्ष सुनील सिंघई, संरक्षक राजेन्द्र भंडारी, जय कुमार जैन, डा.अशोक जैन, डा. अभय जैन, संजय भंडारी राजेश जैन श्रीमति सपना जैन, संगीता जैन, अंजली पाटनी ने श्री फल अर्पित किये। **संकलनः अभिषेक जैन लुहाडिया रामगंजमडी**

शशी सेन जैन बनी दिवाली गृहलक्ष्मी

जयपुर. शाबाश इंडिया। मैत्री क्लब के दिवाली मिलन समारोह में गुजराती दिवाली थीम में शशी सेन जैन दिवाली गृहलक्ष्मी बनी। ज्योत्सना बेन और हर्षदा बेन ने सभी सदस्यों का मांग टीकों, मेंहदी के कोन तथा आकर्षक कलर्ड दीपकों का उपहार देकर स्वागत किया गया। दिवाली रानी की विजेता मधु गंगवाल रही। दिवाली हाउजी, दिवाली गेम्स खेलने के साथ ही सभी मेंबर्स ने ये संकल्प लिया कि इस बार इको फ्रैंडली दिवाली मनाएंगे और जरूरतमंद बच्चों को दिवाली की मिठाई खिलाएंगे।

भगवान महावीर स्वामी सृजन त्रिदिवसीय समारोह

अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिताएं आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

सी-स्कीम स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष श्री उमराव मल संघी, मानद मंत्री श्री सुनील बरथी, कोषाध्यक्ष श्री महेश काला के दिशा निर्देशन में विद्यार्थियों के सृजन एवं रचनात्मकता के उन्नयन हेतु भगवान महावीर स्वामी सृजन त्रिदिवसीय समारोह 18-20 अक्टूबर के अंतर्गत अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री अनिल दीवान और तृतीय दिवस पर अखिल भारतीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष श्री शिखर चन्द पहाडिया ने पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। त्रिदिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, द्वितीय दिवस पर एकल गीत प्रतियोगिता, AD-MAD प्रतियोगिता एवं Radio Jockey (RJ) प्रतियोगिता, तृतीय दिवस पर समूह नृत्य प्रतियोगिता एवं पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। विद्यालय आचार्या श्रीमती रेनू गोस्वामी ने अतिथियों एवं निर्णायकों का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में रचनात्मक कलात्मकता का विकास होता है। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बच्चे रहाना की एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। शिक्षा परिषद के समस्त कार्यकारिणी के सदस्यों ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए विजेताओं को पुरुस्कृत किया।

भगवान महावीर स्वामी सृजन त्रिदिवसीय समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

सी-स्कीम स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा परिषद् के तत्वावधान में भगवान् महावीर स्वामी के सृजन समारोह के त्रिदिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर एकल गीत प्रतियोगिता,AD-MAD प्रतियोगिता एवं Radio Jockey Hunt प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। विद्यालय आचार्या श्रीमती रेनू गोस्वामी ने निर्णायकों का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से बच्चों का कलात्मक विकास होता है, जो वर्तमान समय की मांग है। एकल गीत प्रतियोगिता के निर्णायक अलका माथुर, मयंक शर्मा एवं शिखा माथुर थे, ADMAD प्रतियोगिता के निर्णायक तपन भट्ट, आशीष जैन एवं अजय जैन थे, Radio Jockey Hunt प्रतियोगिता के निर्णायक RJ आयुष, RJ पंकज एवं राकेश जैन (AIRProgramming Officer) थे। शिक्षा परिषद् के कोषाध्यक्ष महेश काला ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी एवं विजेताओं को पुरुस्कृत किया।

राज्य पेंशन विभाग व सार्वजनिक निर्माण विभाग को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

जयपुर. शाबाश इंडिया

फैमिली पेंशन स्वीकृति हेतु नेत्रहीन व रक्त कैंसर से ग्रसित दिव्यांग, विभागीय लालफीताशाही का शिकार हो रहा है। पीड़ित दिव्यांग पदमचंद के पिता रतनलाल संघी सार्वजनिक निर्माण विभाग में कार्यालय सहायक के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। विभाग पीड़ित के पिता तथा माता की मृत्यु के उपरांत, फैमिली पेंशन की स्वीकृति के लिए वर्षों से चक्कर लगवा रहा है। प्रार्थी अधिवक्ता सुमित जैन व अभिषेक सांघी ने बताया की राजस्थान सिविल सर्विस पेंशन नियमावली में विकलांग संतान को फैमिली पेंशन की स्वीकृति के स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद भी उनकी फैमिली पेंशन जारी नहीं की गई है, व्यथित होकर माननीय उच्च न्यायालय में याचिका पेश की गई, जिस पर न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह ने विभाग को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के लिए का आदेश पारित किया।

काजू बादाम पिस्ता की होगी धमाल यही तो है बाबूगिरीजी का कमाल

अन्नकूट का स्वाद संकटमोचन हनुमान के साथः सुशील चौहान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

चावल चवले के साथ शानदार मसालों का छोक और साथ में काजू बादाम पिस्ता मिलेंगे। हरी सब्जियों के साथ जो अन्नकूट बनेगा। उसका इंतजार शहरवासी अभी से करने लगे है। यह सारी मेहनत है पोस्ट ऑफिस के सामने वाले संकट मोचन हनुमान मंदिर के पुजारी बाबूगिरीजी महाराज की। भक्तों का असीम स्नेह और लगाव इस बार अन्नकूट को और भी स्वादिष्ट एवं लजीज बनाने वाला है। जी हां 26अक्टूबर को संकट मोचन हनुमान मंदिर में शाम को महाआरती के साथ भगवान के पहले लगेगा छप्पन तरह के व्यंजन और उसके बाद स्वादिष्ट अन्नकूट,चावल,चवले,सभी सब्जियों से बने अन्नकूट का भोग लगेगा। उसके बाद शहरवासियों को अन्नकूट वितरित किया जाएगा। जिसका भक्तों को बेसब्री से इंतजार हैं। भक्त अन्नकूट महोत्सव को यादगार बनाने के लिए तन,मन और धन से अपनी भागीदारी भी निभा रहे हैं। इस कार्य में मंहत बाबूगिरी महाराज भी पूरी लगन और निष्ठा के साथ जुड़े हुए हैं। हालांकि इस मंदिर की स्थापना से ही अन्नकूट बनता आ रहा हैं, लेकिन इसे विशाल रूप मिला आज से लगभग सौलह साल पूर्व जब मंहत बाबूगिरी महाराज ने मंदिर की बागडोर संभाली । उसके बाद बाबूगिरी जी ने भक्तों की भावना और निष्ठा को ध्यान में रखकर बड़े स्तर पर अन्नकूट बनाने की ठानी तो भक्त भी उनके इस काम में सहयोगी बने। धीरे-धीरे कारवां बना और बढ़ता ही गया और आज शहरवासियों के लिए उत्सव जैसा बन गया। मंहत बाबूगिरी जी ने एक से बढ़कर एक ऐसे आयोजन को मूर्त रूप दिए जो शहरवासियों के लिए यादगार बन गए और भक्तों को मंदिर की ओर आकर्षित किया जो आज भी अनवरत जारी हैं। बाबूगिरी जी ने हनुमान जयंती, जन्माष्टमी जैसे भव्य आयोजन किए जो शहरवासियों के दिल की दस्तक बन गए। शहर के प्रत्येक कोने से भक्त प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को तो दर्शन करने आते हैं ही तथा अन्य दिनों में आते भी हैं। इन्हीं कारणों से संकट मोचन हनुमान मंदिर शहर की एक पहचान बन गया हैं। हाल ही चित्रकूट धाम में रामकथा करवा कर एक नई दिशा दी। इसके अलावा कारोई के निकट लेटे हनुमान का मंदिर बनवाया जो अब आस्था का केंद्र बन गया हैं। दीपावली की धूमधाम के बीच मंदिर में अन्नकूट की तैयारी चल रही हैं। 26 अक्टूबर को अन्नकूट बनेगा भी और वितरित भी होगा। लगभग पचास हलवाइयों की टीम अन्नकूट तैयार करेगी। इस मौके पर मंदिर परिसर को दुल्हन की तरह सतरंगी रोशनी से सजाया जाएगा।

आचार्य श्री सुनील सागर जी ने कहा...

लालसा के पीछे दौड़ते हुए जिंदगी पूरी हो जाती है पर लालसा पूरी नहीं होती

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। भट्टारकजी की नसिया में आचार्य गुरुवर सुनील सागर महा मुनिराज अपने संघ सहित विराजमान है। प्रातः भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे रींछा से आए सभी श्रावकों ने एवं बाहर से पधारे महानुभावों ने अर्घ्य अर्पण कर चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया, मंगलाचरण नेहा जैन तथा भूपेन्द्र जैन ने किया व मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महा मन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि समाज बन्धुओं ने गुरुवर से निवेदन करते हुये आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण कर भक्ति भाव से गुरुवर की पूजा की और आगामी चातुर्मास हेतु निवेदन किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा तथा राजेश गंगवाल ने बताया धर्म सभा मे राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष वैद ने गुरुदेव के समक्ष प्रभु वर्धमान स्वामी के निर्वाणोत्सव पर पूज्य गुरुवर व संघ का सानिध्य प्राप्त करने हेतु निवेदन कर, पोस्टर का विमोचन कराया। आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन अंकित जैन, सुरेंद्र शाह रूपेंद्र छाबड़ा ,राजेंद्र पापडीवाल ने किया। पूज्य गुरु देव को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया पूज्य आचार्य भगवंत अपने मंगल उद्बोधन हेतु उपदिष्ट हुए। हसरतों के पीछे मैंने दौड़ना छोड़ दिया है लालसाओं के पीछे मैंने भागना छोड़ दिया है लालसा के पीछे दौड़ते दौड़ते जिंदगी पूरी हो जाती है पर लालसा पूरी नहीं होती है। मिट्टी के दीपक दिवाली पर आपको खरीदना है पर ध्यान रखिए कमजोर और गरीब व्यक्तियों से ही सामान खरीदना है छोटे दुकानदारों से खरीद कर उन्हें भी त्योहार ठीक से मनाने का अवसर देना चाहिए। इस संसार में एक रुप अवस्थित कोई नहीं है अनुवस्थित हैं द्रव्य दृष्टि से विचार करो तो आत्मा वही है पर्याय रूप से भिन्नता है सरल रहोगे तो संसार में अपने को पा जाओगे।

लीनेस क्लब स्वरा ने बच्चों को दिये उपहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

लीनेस क्लब स्वरा की सदस्यों ने अपने सामाजिक सराकारों के कार्यक्रम की श्रृंखला में समर्पण संस्थान की बालिकाओं को दीवाली के लिए उपहार दिए। अध्यक्ष स्वाति जैन एव सचिव मोना जैन ने बताया उपहार में सभी लड़कियों के लिए नए कपड़े, नए जूते चप्पल, मिठाइयां, कुकीज एवं पटाखे दिये। कोषाध्यक्ष ममता जैन सहसचिव नीतू के अनुसार सदस्यों को अपने बीच पाकर सभी बालिकाओं का मन हर्षोल्लास से भर गया। संस्थान में इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक अमृता,कविता, शोभा,आयुषी, मेनका,मीनाक्षी, वीना,एवं जनक संगिनी की अध्यक्ष रश्मि जैन मौजूद रही ।

कोषाध्यक्ष ममता जैन सहसचिव नीतू के अनुसार सदस्यों को अपने बीच पाकर सभी बालिकाओं का मन हर्षोल्लास से भर गया...

नाद संस्था ने सजाए लोक के रंग

राजस्थानी लोक कलाकारों ने बिखेरी छटा

जयपुर. शाबाश इंडिया

नाद सोसायटी द्वारा अचरोल के एक सरकारी परिसर में राजस्थानी लोक कलाकारों ने लोक उत्सव का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें राजस्थान भर से आये कलाकारों ने अपनी-अपनी विधा की ऐसी छटा बिखेरी की सारा महौल लोकमयी हो गया। संस्था के अजय शर्मा ने बताया कि लोकउत्सव में पश्चिमी राजस्थान से लंगा कलाकारों ने प्रस्तुति दी जिसमें उन्होंने अपने दुर्लभ लोकगीतों को गायन किया तथा अपने परंपरागत साजों की जुगलबंदी से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ राजस्थान का प्रसिद्व नृत्य भवाई नृत्य पेशकर संतुलन और सधी हुई मुद्राओं से रोमांचित किया। लोक नृत्य के लिये एक ग्रुप ने राजस्थान के प्रसिद्व चरी नृत्य से शुरूआत कर घूमर, कालबेलिया, तेरहताली और मोरीया के साथ बृजक्षेत्र का राधाकृष्ण के महारास के साथ फूलों की होली से स्थानीय जनों में लोकरंग भर दिया। इस कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ रंगकर्मी सर्वेश व्यास ने तथा कार्यक्रम का संयोजन राजेन्द्र शर्मा राजू, मनोज स्वामी, अनिल मारवाडी ने किया। मंच सज्जा सौरभ कुमावत, अंकित शर्मा नोनू एवं मंच प्रबंधन घृति शर्मा का रहा।

सुभाष गोयल अध्यक्ष, श्याम सुंदर अग्रवाल खंडेला महामंत्री निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रवाल समाज शास्त्री नगर जयपुर के त्रिवार्षिक चुनाव वर्ष 2022- 25 के लिए संपन्न हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि इस चुनाव में सुभाष गोयल अध्यक्ष, श्याम सुंदर अग्रवाल खंडेला महामंत्री व पुरुषोत्तम अग्रवाल शाह कोषाध्यक्ष तीसरी बार निर्विरोध रूप से निर्वाचित हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी गोविंद अग्रवाल ने बताया कि इस दौरान 7 सदस्य संरक्षक मंडल व 30 सदस्य कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ है। इसके अलावा श्री अग्रवाल समाज शास्त्री नगर महिला मंडल के चुनाव में भी रीमा गर्ग अध्यक्ष और अनीता पोद्दार निर्विरोध निर्वाचित घोषित की गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पदमपुरा में ज्ञान सागर सीए सेमिनार संपन्न

बाह्य ज्ञान के साथ आत्मिक ज्ञान भी जरुरी: स्वस्तिभूषण माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

व्यापार दो तरह का होता है। आवश्यकता का व्यापार एवं इच्छा पूर्ति का व्यापार। आजकल सीए की पढ़ाई में वैश्य वर्ग के बच्चों की रुचि ज्यादा है। मेहनत का काम स्वर्ण जातियों के लोग विशेष रूप से वैश्य वर्ग के बच्चे करते हैं। आरक्षण में मेहनत नहीं करनी पड़ती है ।बच्चों व युवाओं में कर्मो की बात, शास्त्रों की बात सहित बाहरी ज्ञान के साथ आत्मिक ज्ञान भी होना चाहिए । ये उदगार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा में आयोजित ज्ञान सागर सीए सम्मेलन में गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने व्यक्त किए। सीए सम्मेलन का भव्य रूप से आयोजन हुआ जिसमें जयपुर सहित राजस्थान के विभिन्न शहरों से चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम समन्वयक सीए दिनेश कुमार जैन ने बताया कि आचार्य 108 ज्ञानसागर महाराज के आशीर्वाद से यह सेमिनार हर साल आयोजित होती है। गणिनी आर्यिका 105 स्वस्ति भूषण माताजी के आशीर्वाद एवं पावन सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम ग्रेटर जयपुर के आयुक्त महेन्द्र सोनी थे। सेमिनार के प्रमुख वक्ता सीए कपिल गोयल दिल्ली एवं सीए जतिन हरजाई जयपुर थे। सीए कपिल गोयल ने अपने उदबोधन में आयकर की धारा 148 एवं 148अ के संदर्भ में हाई कोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दी गई। चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं आयकर प्रदाताओं को इस संबंध में बरतने वाली सावधानियों के बारे में बताते हुए और किस तरह से इस तरह के नोटिस का जवाब प्रस्तुत करना चाहिए।को बहुत ही सरल तरीके से समझाया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट के कई केसों का उल्लेख किया। सीए जतिन हरजाई जिनका टोपिक बहुत महत्वपूर्ण था- जीएसटी इनपुट क्रेडिट विरोधाभास या मजाक ।क्योंकि जब से जीएसटी लागू हुआ है उसके बाद से इनपुट क्रेडिट ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि यदि आपने इनपुट क्रेडिट को सही रूप से एवं सही समय से क्लेम नहीं किया तो उसका क्रेडिट मिलना बहुत मुश्किल हो जाता है और भविष्य में करदाता के लिए यह एक बड़ा दायित्व बन जाता है, जिसके अंतर्गत सजा तक का भी प्रावधान है। इसलिए उन्होंने इसकी बारीकियां समझाते हुए इनपुट लेते वक्त बरतने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने जीएसटी के महत्वपूर्ण घटकों के बारे में बताया। सेमिनार में समाज श्रेष्ठी , सुधीर जैन, हेमन्त सोगानी, प्रदीप जैन, विनोद जैन 'कोटखावदा', रमेश ठोलिया, चेतन जैन निमोडिया, भारत भूषण जैन ,माणक ठोलिया सहित सीए एचएम सिंघवी, सीए उम्मेद मल जैन, सीए नगेंद्र जैन, सीए आशीष जैन, सीए मनीष जैन, सीए अंकित जैन, सीए उमेश जेठानी, सीए देवेंद्र मित्तल, सीए एन के जैन सीए सोनल बूचरा, सीए संदीप जैन आदि ने अपनी प्रभावी भूमिका निभाई। संचालन सीए दिनेश जैन एवं चेतन जैन निमोडिया ने किया।

जयपुर से सम्मेद शिखर जी की यात्रा 25 अक्टुबर से

जयपुर. शाबाश इंडिया

सम्मेद शिखर जी के लिए 147 यात्रियों का एक दल 25 अक्टूबर को जयपुर से रवाना होगा। टी सी जैन, किरण जैन, हर्ष जैन सावरिया वाला ने बताया कि यह यात्रा स्वर्गीय श्री सुन्दरलाल जी जैन एवं माताजी स्वर्गीय कंचन देवी को समर्पित है ! यह यात्रा निःशुल्क है। यात्रा संयोजक आनंद जैन, मनीष जैन, संदीप दोशी ने बताया कि यात्रा 25 अक्टूबर को जयपुर से रवाना होकर 26 को सम्मेद शिखर जी पहुंचगी ।जहां 27 तारीख को पर्वत वंदना, 28 को चम्पापुर की यात्रा, 29 कुंडलपुर, 30 को राजगिरी तथा 31 तारीख को राजगिरी वंदना दर्शन करके बोध गया मंदिर जाएंगे। रात्रि गया में विश्राम करेंगे तथा 1 नवम्बर को गया से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। यात्रा दुगार्पुरा जैन मंदिर से गुरू मां गाणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वरी माताजी का आशिर्वाद लेकर रवाना होगी।

147 यात्रियों का दल निःशुल्क यात्रा पर जायेगा। यात्रा स्वर्गीय श्री सुन्दरलाल जी जैन एवं माताजी स्वर्गीय कंचन देवी को समर्पित होगी

विश्व वन्दनीय भगवान महावीर का 2549वां निर्वाणोत्सव मंगलवार 25 अक्टूबर को

आचार्य सुनील सागर महाराज के सानिध्य में भट्टारक जी की नसियां में होगा मुख्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व वन्दनीय, जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2549 वां निर्वाणोत्सव मंगलवार,25 अक्टूबर को भक्ति भाव से मनाया जावेगा । इस मौके पर भट्टारक जी की नसियां में आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा मुख्य आयोजन तथा शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होंगे। इससे पूर्व रविवार,23 अक्टूबर को जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि मुख्य आयोजन

राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा आचार्य सुनील सागर चातुर्मास व्यवस्था समिति के सहयोग से नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में होगा। सभा के मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में प्रातः 9.15 बजे होने वाले इस आयोजन में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन कर्ता समाजश्रेष्ठी राज देवी, एडवोकेट रुपिन-बरखा काला होंगे। मुख्य अतिथि अनुराग-कीर्ति पाटनी महावीर नगर तथा विशिष्ट अतिथि भाग चन्द, रितेश-सुमिता पाटनी, सूर्य नगर वालें होंगे। निर्वाण लाडू महोत्सव के लिए महेश काला, राकेश छाबड़ा, रुपेन्द्र छाबड़ा'अशोक', राजेश गंगवाल को मुख्य संयोजक एवं मुकेश जैन ब्रह्मपुरी को संयोजक बनाया गया है। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि रविवार, 23 अक्टूबर को प्रातः भगवान पदमप्रभू के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जावेगी । पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ जन्म व तप कल्याणक अर्घ्य चढाया जावेगा ।महाआरती के बाद समापन होगा । मंगलवार,25 अक्टूबर को भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक दिवस एवं 2549 वां निर्वाणोत्सवमनाया जाएगा। श्री जैन के अनुसार मानसरोवर के वरुण पथ दिगम्बर जैन मन्दिर में आचार्य विवेक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में, दुगार्पुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभू में गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी ससंघ के सानिध्य में, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ के सानिध्य में, गोवर्धन नगर के श्री वासूपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका विजय मति माताजी ससंघ के सानिध्य में, बरकतनगर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मन्दिर में मुनि अनुकरण सागर, मुनि श्री स्वयं भू सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में तथा टौक रोड पर नांगल्या बीलवा के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी ससंघ के सानिध्य में, चाकसू के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कोट में आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में, झोटवाड़ा के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में आर्यिका सौम्य नन्दिनी माताजी ससंघ के सानिध्य में विशेष आयोजन होंगे तथा निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा।

आचार्य प्रवर 1008 श्री हीराचन्द्र जी म.सा. के 60 वे दीक्षा दिवस के उपलक्ष में

"व्यसन मुक्ति संकल्प रैली" का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ एवं सहयोगी संस्थाओ के तत्वावधान में जिनशासन गौरव प्रवचन प्रभाकर व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक आचार्य प्रवर 1008 श्री हीराचन्द्र जी म.सा. के 60 वे दीक्षा दिवस के उपलक्ष में **"व्यसन मुक्ति संकल्प रैली"** का आयोजन किया गया। इस रैली के क्रार्यक्रम को अप्रतिम सफल बनाने हेतु एस.एस. जैन सुबोध बालिका विद्यालय एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के संयोजक, प्राचार्या , स्टॉफ सदस्यो, विद्यालय के सभी छात्र छात्राओं एवं श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, श्री जैन रत्न युवक परिषद्, श्री जैन रत्न युवती मण्डल, संघ के गणमान्यो, सभी संस्थाओ के पदाधिकारियो, कार्यकर्ताओं एवं उपनगरीय क्षेत्रो से पधारे हुए सदस्यो के द्वारा अमूल्य समय निकालकर आपका सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ । उसके लिए प्रमोद मेहनोत अध्यक्ष, संजीव कोठारी मंत्री श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ जयपुर ने सभी का हार्दिक आभार व धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि भविष्य मे भी संघ के प्रत्येक कार्यक्रमो मे आप सभी का सहयोग सदैव इसी तरह से मिलता रहेगा।

श्री अग्रवाल सेवा संस्था अजमेर कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री अग्रवाल सेवा संस्था अजमेर की कार्यकारिणी की बैठक संस्था अध्यक्ष प्रदीप बंसल की अध्यक्षता में केसर रेस्टोरेंट, हरिभाऊ उपाध्याय नगर में आयोजित की गयी। जिसमें संस्था के भावी कार्यक्रमों के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। संस्था अध्यक्ष प्रदीप बंसल व सचिव संदीप बंसल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ईश वंदना के साथ बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई, सचिव संदीप बंसल ने गत कार्यकारिणी की बैठक का कार्यवाही विवरण पढ़कर सुनाया जिसका सभी ने अनुमोदन किया, उन्होने संस्था द्वारा किये गये सेवाकार्यों तथा गतिविधियों की जानकारी भी उपस्थित सदस्यों को दी। कोषाध्यक्ष अशोक गर्ग ने श्री अग्रसेन जयंती कार्यक्रम पर संस्था द्वारा किये गये कार्यक्रम व अन्य कार्यक्रमों पर हुए व्यय की जानकारी दी। उन्होने संस्था की सदस्यता के लिये प्राप्त आवेदन पत्रों की जानकारी भी दी जिन्हे स्वीकृत कर अनुमोदन किया गया। अध्यक्ष प्रदीप बंसल ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में संस्था के सदस्य बनाने का आग्रह किया। अध्यक्ष प्रदीप बंसल ने दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित करने का प्रस्ताव रखा जिसे सभी सदस्यों ने एक स्वर में पारित किया।